>

Title: Need to set up another Jawahar Navodaya Vidyalaya in Jalore district, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): जालोर जिला साक्षरता एवं शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है तथा जिले की साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार 55.88 प्रतिशत है जिसमें पुरूषों एवं महिलाओं की साक्षरता दर क्रमशः 71.83 तथा 38.73 है। राजस्थान में यह जिला सबसे कम साक्षरता वाला जिला है तथा साक्षरता में लैंगिक अंतर भी सबसे अधिक है। पंचायतीराज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इस पिछड़े जिले के रूप में चिन्हित किया गया है तथा यह जिला बी0आर0जी0एफ0 योजना के अंतर्गत चिन्हित है। यहां अनुसूचित जाति कुल जनसंख्या का 18.6 प्रतिशत तथा अ0ज0जा0 9.00 प्रतिशत है। जिले का भौगोलिक विस्तार भी बड़ा है वर्तमान जवाहर नवोदय जसवंतपुरा जो जिला मुख्यालय से 75 कि0मी0 दूरी पर है, वर्ष 1987 में स्थापना के बाद नःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवा रहा है एवं एक और नवोदय विद्यालय जिला मुख्यालय के समीप स्वीकृत किये जाने की आवश्यकता है ताकि और अधिक संख्या में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। यह नया विद्यालय जालोर सायला आहोर एवं भीनमाल पंचायत समिति क्षेत्र के छात्रों के प्रवेश के लिए तथा वर्तमान में संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय जसवंतपुरा रानीवाडा सांचोर एवे चितलवना पंचायत समिति के छात्रों के प्रवेश के लिए होगा। नये जवाहर नवोदय विद्यालय हेतु नवोदय विद्यालय समिति नई दिल्ली के नोर्मस के अनुसार 25 एकड़ भूमि एवं अस्थाई भवन की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा कर ली गयी है। अतः यहां छात्रों की समस्या को देखते हुए विशेष परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए जिले में एक और जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने का कष्ट करें।